

झारखण्ड पार्टी का दो दिवसीय केंद्रीय महा अधिवेशन हुआ संपन्न

पार्टी की मजबूती पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखण्ड पार्टी के दो दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन का समापन रविवार दिन भिंडीह रिश्त कानिंवल बैंकेट हॉल में हुआ। महाधिवेशन के समापन के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एकका ने प्रदेश कार्यकारिणी कमिटी की घोषणा की। महाधिवेशन में प्रदेश से लेकर जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष सहित काफी संख्या में कार्यकारिणी की भागीदारी रही। दो दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन में कार्यकारिणी में काफी उत्साह दिखा। पूर्व मंत्री व झापा के अध्यक्ष एनोस एकका ने कार्यकारिणी को एक जुटा के साथ कार्यकारिणी की नीति व सिद्धांत को जिला अधिवेशन के लिए सकारात्मक पहल करें। प्रधान महासचिव सह पूर्व राज्यमंत्री अशोक भगत के नाम प्रस्तावक बने, जिसे भारी बहुमत से समर्थन दिया गया।



उन्होंने कहा कि भाजपा गठबंधन और झारखण्ड पार्टी की नीति व सिद्धांत दृष्ट चुका है। झारखण्ड पार्टी से जुड़े पर भरोसा करके पार्टी का दायन थामा है। राज्य के पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार के संगठन में रखने के साथ केवल जिला अधिवेशन के लिए समाधान के लिए सकारात्मक पहल करें। प्रधान महासचिव सह पूर्व राज्यमंत्री अशोक भगत के नाम प्रस्तावक बने, जिसे भारी बहुमत से समर्थन दिया गया।

श्रद्धालु शिवलिंग पर इस बार अरघा सिस्टम से करेंगे जलाभिषेक

नवीन मेल संवाददाता। रांची पहाड़ी मंदिर में इस वर्ष भी श्रद्धालु शिवलिंग पर अरघा सिस्टम से जल अपूर्ति करें। भक्तों की भीड़ को सियरित करने और उनकी सुखों के लिए वैरिकेडिंग लगाने की तैयारी है। जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन वॉर्लिंगर्स की तैनाती भी करेगा। इसके अलावा सीसीटीवी से भी पूरे मंदिर परिसर में पैनी नजर रखी जाएगी। रांची के पहाड़ी मंदिर प्रबंधन श्रावणी मेले की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। चार जुलाई से सावन माह शुरू हो जा रहा है। इस दौरान पहाड़ी मंदिर में भक्तों को मैं डिजिटलाइज तरीके से दान-

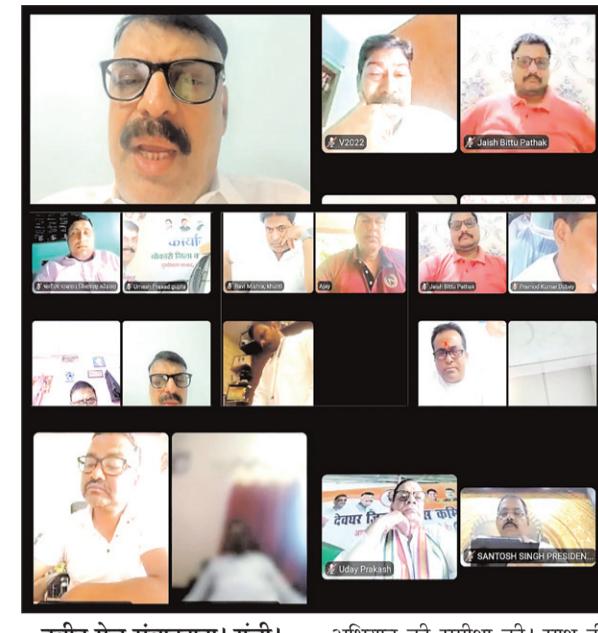


संख्या में श्रद्धालु भोजनाथ का दक्षिण लिया जाएगा। श्रद्धालु पुरानी व्यवस्था के साथ क्यूआर कोड को मैं स्कैन कर दक्षिण दे सकते।

होटल से बच्ची को बाल श्रम से कराया गया मुक्त रांची। बाल मजदूरी की सूचना के महेन्जर रांची जिला प्रशासन द्वारा नामकृम स्टेशन से 7 साल की एक बच्ची को बाल श्रम से मुक्त कराया गया है। विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच करने पर पाया गया कि दुकानदार द्वारा पीड़ित बच्ची से होटल में काम करवाया जाता था। बच्ची के रेस्टर्यू के बाद उसे प्रेमाश्रव बालिका गृह में अवस्थित किया गया है। उपायुक्त द्वारा दुकानदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही बालिका को विद्यालय से जोड़ने पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष कंपनी ने क्यू 1 एफवाई 24 के दौरान 8.48 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) का प्रभावशाली कोयला उत्पादन किया, जबकि क्यू 1 एफवाई 23 में वह 4.27 एमएमटी था। इसके अलावा, एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 24 की वर्तुली तिमाही में 8.82 एमएमटी का कोयला उत्पादन किया गया है। कंपनी ने इसी वर्ष की वित्तीय अवधि को ऊर्जा मार्गों को पूरा करने में उसके योगदान का निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हरमू में बाइक से धक्का लगने पर विवाद, दो पक्षों में हूई मारपीट रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित हरमू बाजार में शनिवार रात स्कूटी से बाइक में धक्का लगने के विवाद के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गयी। बाइक से धक्का लगने के बाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों के लोगों आमने-सामने हो गए और मारपीट हो गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार स्कूटी ने आशीष स्टूडियो के मालिक की खड़ी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह विवाद हो गया। विवाद के अध्यक्ष और हरमू बाजार वस्त्रालय के अध्यक्ष और प्रिंस अंड्रियोनो के अध्यक्ष अंड्रियोनो ने हस्तक्षेप किया। घटना के कुछ मिनट बाद भड़ा मोहल्ले के लगभग 20 युवकों के एक समूह ने उन पर हमला किया। उन्हें सिर पर चोटें लगी। इस संबंध में अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराइ गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने संगठन सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा की



नवीन मेल संवाददाता। रांची। अभियान की समीक्षा की। साथ ही वर्चुअल बैठक में प्रखंड, पंचायत और विधायिकी द्वारा उपराज्यकारी अध्यक्ष भगत ने कहा कि अन्य राज्यों के समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अव्यक्ति राज्य ठाकुर ने सभी महासचिव प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि अविलंब प्रखंड अध्यक्षों और विधायिकी प्रभारियों के साथ समवय योग्यता करते हुए पंचायत और विधायिकी द्वारा अध्यक्षों और विधायिकी प्रभारियों के साथ चुनाव लड़ने का काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, लोकतंत्र को खाल करने की साजिश, देश में बढ़ी नफरत का वातावरण को हम तभी खत्म कर सकते हैं। जब हम वृथ स्तर के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंगुली तर्की, शहजादा अनवर सहित सभी जिला अध्यक्ष और जिला

की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अव्यक्ति राज्य ठाकुर ने सभी महासचिव प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि अविलंब प्रखंड अध्यक्षों और विधायिकी प्रभारियों के साथ पंचायत और विधायिकी प्रभारियों के साथ चुनाव लड़ने का काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, लोकतंत्र को खाल करने की साजिश, देश में बढ़ी नफरत का वातावरण को हम तभी खत्म कर सकते हैं। जब हम वृथ स्तर के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंगुली तर्की, शहजादा अनवर सहित सभी जिला अध्यक्ष और जिला

132/33 के ०वीं प्रिड सब-स्टेशन, जरमुण्डी एवं

132 के ०वीं द्विपथ लिलो संचयन लाइन का उद्घाटन

प्रिड की क्षमता 2x50MVA (100MVA)

लाभान्वित क्षेत्र

- ↳ बालुकीनाथ तीर्थ स्थल
- ↳ तालझारी
- ↳ घोटमारा
- ↳ जरमुण्डी
- ↳ सोनारायथाडी
- ↳ मोहनपुर एवं
- ↳ दुमका के क्षेत्र

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग

सम्मानित अतिथि

श्री शिवू सोरेन
माननीय संसद (राज्यसभा)

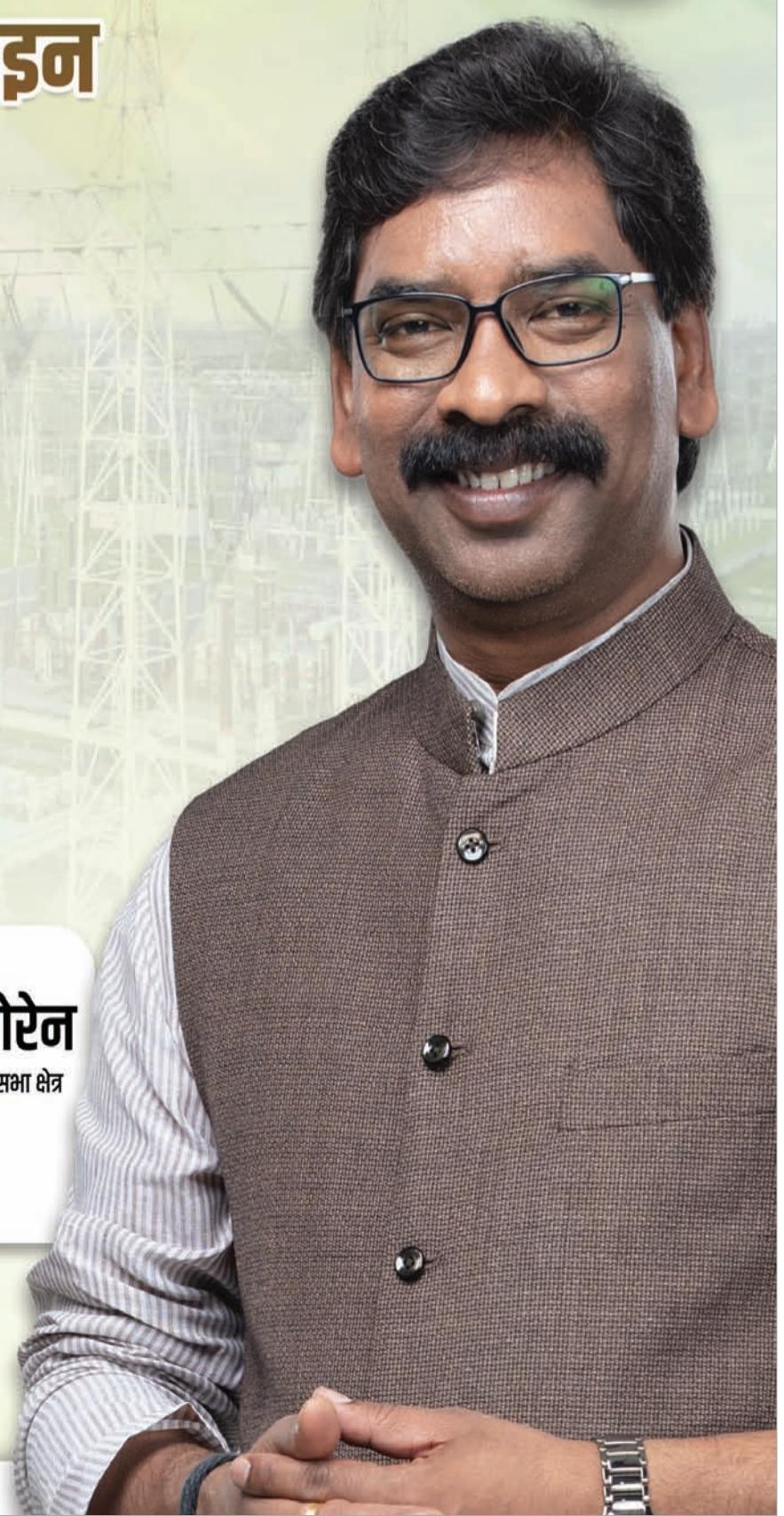
डॉ निशिकांत दुबे
माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र

श्री सुनील सोरेन
माननीय सांसद, दुमका लोकसभा क्षेत्र

श्रीमती सीता सोरेन
माननीय विधायक, जामा

श्री बसंत सोरेन
माननीय विधायक, दुमका

दिनांक : 03 जुलाई, 2023 | समय : अपराह्न 03:00 बजे
स्थान : प्रिड सब-स्टेशन, जरमुण्डी, दुमका



बेहद दुर्लभ संयोग के साथ शुरू हो रहा है श्रावण 2023



नवीन मेल संवाददाता प्रतिपदा तिथि दोपहर 02 बजकर रामगढ़। श्रावण माह का पहला दिन 4 जुलाई मंगलवार को है। उसके बाद से द्वितीय तिथि शुरू हो जाएगी। उक्त बातें 2 जुलाई को बाबा विश्वनाथ प्रतिपदा तिथि हैं। सावन कृष्ण

प्रतिपदा तिथि दोपहर 02 बजकर रामगढ़। श्रावण माह का पहला दिन 4 जुलाई मंगलवार को है। उसके बाद से द्वितीय तिथि शुरू हो जाएगी। उक्त बातें 2 जुलाई को बाबा विश्वनाथ प्रतिपदा तिथि हैं। सावन कृष्ण

संचालक बाबा मिथलेश तिवारी ने कही। उन्होंने कहा की सावन के पहले ही दिन मंगला गौरी ब्रत है। इस दिन सुहागन महिलाएं माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा करती हैं। माता गौरी को 16 श्रुंगर की इन्द्र योग प्रतिकाल से लेकर सुबह 11:50 बजे तक है। उसके बाद से वैधुति योग है। इन्द्र योग और पूर्वांशु नक्षत्र शुभ माने जाते हैं। 3 शुभ संयोग के साथ अंरंभ हो रहा है श्रावण मास। तिवारी ने बताया की वर्ष 2023 में सावन के पहले दिन 3 शुभ संयोग हो रहा है और अगले दिन

1. पहला सबसे बड़ा संयोग यह है कि श्रावण मास के पहले ही दिन मंगला गौरी ब्रत है। इस दिन सुहागन महिलाएं माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा करती हैं। उत्तराशाढ़ा नक्षत्र प्रारंभ हो रहा है। वर्षी, इन्द्र योग प्रतिकाल से लेकर सुबह 11:50 बजे तक है। उसके बाद से वैधुति योग है। इन्द्र योग और पूर्वांशु नक्षत्र शुभ माने जाते हैं। 3 शुभ संयोग के साथ अंरंभ हो रहा है श्रावण मास। तिवारी ने बताया की वर्ष 2023 में सावन के पहले दिन 3 शुभ संयोग हो रहा है और अगले दिन

महादेव की पूजा से होंगे सभी समस्याएं होंगी दूर, घर में आएगी खुशहाली : मिथलेश तिवारी

सावन महीने के हैं सोमवार

हिन्दू पंचांग के अनुसार सावन का महीना 04 जुलाई से शुरू हो रहा है। अधिकमास के कारण सावन में 8 सोमवार रहेंगे।

10 जुलाई- सावन का पहला सोमवार

17 जुलाई- सावन का दूसरा सोमवार

24 जुलाई- सावन का तीसरा सोमवार

31 जुलाई- सावन का चौथा सोमवार

07 अगस्त- सावन का पांचवा सोमवार

14 अगस्त- सावन का छठा सोमवार

21 अगस्त- सावन का सातवां सोमवार

28 अगस्त- सावन का आठवां सोमवार

31 अगस्त- सावन का सातवां सोमवार

अधिकमास की तिथि

18 जुलाई- सावन का अधिकमास शुरू

16 अगस्त- सावन के अधिकमास समाप्त

हैं श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं तिवारी ने कहा की पवित्र श्रावण मास में जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से भगवान शंकर के शिवलिंग में जलाभिषेक करते हैं, भगवान उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

डीसी ने किया पुस्तकालय का निरीक्षण

5000 से भी ज्यादा किताबें हैं पुस्तकालय में उपलब्ध : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शिक्षा ग्रहण करने हेतु विद्यार्थियों को शांत एवं प्रभावशाली वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के रामगढ़ प्रखंड कार्यालय के समीप जिला पुस्तकालय संचालित है। पुस्तकालय का निर्माण ईपीएफटी के तहत कराया गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत मुख्यमंत्री हेमंत सारेन द्वारा 29 फरवरी 2020 को जिला पुस्तकालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया था। जिसके उपरांत कोरोना व अच्छा कारणों से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू नहीं हो पाया था। रामगढ़ जिले में उपायुक्त के दोपहर पदभार ग्रहण करने के उपरांत शहर के दौर के क्रम में उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने जिले के अच्छा अधिकारियों के साथ जिला पुस्तकालय का निरीक्षण किया। जिसके उपरांत उन्होंने बच्चों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए दिलाई गई। उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं अप्रैल 2022 से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू हुआ। वर्तमान में 5000 से भी अधिक किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन किया गया है। उन्होंने बताया कि रिवार को होटल के दोनों नौकरों को एक बार फिर चिकित्सक से ईंबाज कराया गया है। होटल मालिक फरार चल रहा है, गिरपात्री को लेकर पुलिस लगातार छोपेंगी कर रही है। पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया है। मार पीट या बर्बरता किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। पुलिस सभी विद्युतों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कर रही है।



बच्चों ने पुस्तकालय में अपना निवंधन कराया है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए मिनरल वाटर, शौचालय, सुशुधा के डिक्कों से सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्युत सेवा बाधित होने की स्थिति में बच्चों के लिए इनवर्टर द्वारा विद्युत सप्लाई की सेवा भी प्राप्त हो रही है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं अप्रैल 2022 से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू हुआ। वर्तमान में 5000 से भी अधिक किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है और उनके साथ उपरांत किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस दिलाई का अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से लिया है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं अप्रैल 2022 से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू हुआ। वर्तमान में 5000 से भी अधिक किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है और उनके साथ उपरांत किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस दिलाई का अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से लिया है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है और उनके साथ उपरांत किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस दिलाई का अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से लिया है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है और उनके साथ उपरांत किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस दिलाई का अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से लिया है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है और उनके साथ उपरांत किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। इस दिलाई का अधिकारी ने कहा कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से लिया है। इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त माध्यमी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्भूत क्षेत्रों में रहे बच्चों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत

बीमारी व हमारा समाज

झारखंड में सिक्कल सेल बीमारी एनीमिया ने सबको हैरान और परेशान कर दिया है। यह जननेवा बीमारी तेजी से अपना पैर पसार रहा है। इसे समाज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कूट गये हैं। उन्होंने इसे 2047 तक खत्म करने के लिए सिक्कल सेल एनीमिया मुक्त भारत को करने का संकलन भी लिया है। जिले और राज्य स्तर पर इसे खत्म करने के लिए इसने शुरू हो गयी है। झारखंड में इस अभियान की लार्विंग रांची के कांक्रेट घंटे में होती है। इस अभियान के तहत सिक्कल सेल की पहचान के लिए आम लोगों की स्क्रीनिंग की जायेगी। उनके पार्जीटिव पाये जाने पर उपचार किया जायेगा। पहले चिह्नित किये गये रोगियों को सिक्कल सेल कार्ड भी दिया जायेगा। अपने राज्य झारखंड में कीरीबांच हजार लोग पाये गये हैं। अब इन्हें कार्ड देने की योजना है। ऐसा देखा जा रहा है कि यह बीमारी आदिवासी बहुल इलाकों में ज्यादा पाइ जा रही है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि उनके लिए नहान और सावानी की कमी की बजाए से यह बीमारी बढ़ती जा रही है। ऐसे में इस बीमारी की रोकथाम के लिए जारीकरता चालाने की जरूरत है। यह बीमारी विकारों का समूह है जिसके कारण लाल रक्त काशिकाये विकृत होकर टूट जाती है। तथा खून का बहाव रुक जाता है और दर्द होता है। यह लंबे समय तक रहने वाली बीमारी है। इसमें आदमी की मौत नहीं होती है।

लंबे समय तक जिन्दगी रहती है। इस बीमारी के लक्षण दर्द और ज्यादा थकान हैं। इसी बाबत पलामू में इसे सामाजिक रहने के लिए भी स्वास्थ्य विभाग की कसरत शुरू हो गयी है। बहरहाल देखा जाये तो आदमी के कई अनुजान शुरू हमारे आस-पास थम रहे हैं। जरूरत है उन्हें पहचानने की। ऐसे में सावधानी आवश्यक है। दूसरी सबसे बड़ी बात यह कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिवार्ची के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। खान-पान और रसन-सहन पर पैरी नजर रखनी चाहिए। ऐसा नहीं होने पर परेशानियों का बरसार हमारे आस-पास मंड़नी लगता है। ऐसे भी कठा गया है कि लेल्य है तो सब कुछ है। अन्यथा भौंक बेकरान हैं। शरीर को बीमारी से मुक्त रखने के लिए जीवन के बताये अदर्श नियमों का हर समय पालन करना चाहिए। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह कि जगह-जगह छोला छाप डाक्टरों की टीम थम रही है। इनमें बचने की भी जरूरत है। ऐसे में सामीप के किसी अच्छे डाक्टर से तुरंत मिल कर शरीर में हो रही परेशानी को बताना चाहिए। इस बीमारी से निपटने के लिए जहां एक और जिला प्रशासन रहत है, वहाँ लोगों को जागरूक करने के लिए यह प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे और प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे कार्यों में बढ़-चढ़ कर भगव लेने की जरूरत है। यह समाज की सुदूरता होती है। लेकिन हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि ऐसे नहीं हो रहा है। यह दुखद बात है। बहरहाल इस बीमारी को लेकर पिछले दिनों पलामू के कई जगहों पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। सिक्कल सेल एनीमिया बीमारी में शरीर में खून बनना बंद हो जाता है। इस बात की पुरित करते हुए अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इस बीमारी से कीड़ीनी लीवर जैसे कई जरूरी अंग डैमेज हो जाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बीमारी में सावधानी जरूरी है। स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा कई स्कूलों में बच्चों को इस बीमारी के बारे में बताया गया।

गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष उत्सव है गुरु पूर्णिमा



गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्य समन्वयियों को सबसे पहले योग प्रदान किया था। इस दिन आदिवासी शिव इस दिन अदि गुरु वानी पहले योग दुर्घाटना के लिए अपने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बीमारी के बारे में बताया गया।

गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्य समन्वयियों को सबसे पहले योग प्रदान किया था। इस प्रकार आदिवासी शिव इस दिन अदि गुरु वानी पहले योग दुर्घाटना के लिए अपने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बीमारी के बारे में बताया गया। आज भी धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में आदिवासी शिव का अधिकारी है। ताकि वह अपने भीतर ही सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। प्रत्येक रुप से गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक, गुरु को अपना आधार अपित करते हैं और उनका आशीर्वद प्राप्त करते हैं। योग साधना और ध्यान का अध्यास करने के लिए गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु, साधक के उत्तमता के लिए गुरु पूर्णिमा को व्याप्ति करना में खूब लाभ है। भक्तिकाल के संत धीसादर का भी जन्म है। इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक क्षेत्र के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास था और उन्हें आदिगुरु कहा जाता है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और वह अपने समाज में गुरु पूर्णिमा को व्याप्ति करना में खूब लाभ है। भक्तिकाल के संत धीसादर का भी जन्म है। इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक क्षेत्र के उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता संस्कृत भाषा से हूँड़ है और उनका आशीर्वद प्राप्त करते हैं। योग साधना और ध्यान का अध्यास करने के लिए गुरु पूर्णिमा को व्याप्ति करना में खूब लाभ है। आज भी धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में आदिवासी शिव का अधिकारी है। इसके दो अक्षरों में गुरु माना रहा है। अज्ञान का अध्यक्ष के लिए गुरु पूर्णिमा को व्याप्ति करना में खूब लाभ है। भक्तिकाल के संत धीसादर का भी जन्म है। इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक क्षेत्र के उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है।

गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्तमता के लिए है। जिसे गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह है। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आपाद के बावलों से धिरा रहता है जैसे बाल रुपी शिष्यों से गुरु धिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चंद्र की तरह चमक सके। उस अंधेरे से धिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता ह

